



एक उड़ान, "आत्मनिर्भरता" की ओर !

Carol Flexer, PhD, CCC-A; LSLS Cert. AVT
and

Ritu Nakra, B.Sc(Hons)Physics; P.G (N.I.F.T); B.Ed Special Education (H.I); LSLS Cert. AVT





पेड़ की शाखा पर बैठा पंछी हिलती डाली से डरता नहीं क्योंकि पंछी डाली पर नहीं अपने पंखों पर भरोसा करता है।

प्रिय अभिभावकों

हम अपने बच्चों को सही समय पर श्रवण यंत्र लगाकर उनमें भाषा और बोली के विकास के लिए अथक प्रयास करते हैं। इस प्रयास के साथ-साथ हमें यह भी ध्यान रखना है कि समाज में पूरी तरह घुलने मिलने के लिए बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना भी उतना ही जरूरी है। हमें हमारे बच्चों का ज्ञान बढ़ाना है ताकि वह अपने सुनने की कमी के बारे में पूर्ण विश्वास और पूरी आत्मनिर्भरता से हर स्थिति का मुकाबला कर सकें और सही कदम उठा सकें। यह आत्मनिर्भरता उन्हें अपने मित्रों, अध्यापकों तथा परिवार के अन्य सदस्यों से अपने सुनने की कमी के बारे में खुलकर बात करने में सशक्त बनाएगी।

इसी आत्मनिर्भरता को बढ़ाने के लिए, इस पत्रिका में ट्रेनिंग कार्ड्स दिए गए हैं। हर कार्ड पर एक नया उद्देश्य और लक्ष्य चित्रों सहित दर्शाया गया है। यह कार्ड, बच्चे के श्रवण यंत्र के बारे में, उसकी देख-रेख के बारे में तथा अलग-अलग परिस्थितियों में अच्छा सुनने के लिए, सही कदम उठाने के बारे में जानकारी देते हैं।

हम आशा करते हैं यह ट्रेनिंग कार्ड आपको, आपके बच्चों में अपने श्रवण यंत्र से सम्बन्धित ज्ञान देने में सहायक होंगे और वह इस समाज में पूर्णरूप तथा आत्मविश्वास के साथ घुल मिल जाएँगे। यही हमारा लक्ष्य है।

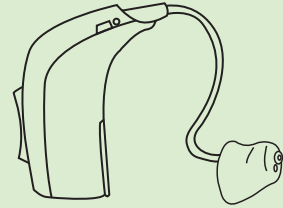
शुभकामनाओं सहित

Carol Flexer, PhD, CCC-A; LSLS Cert. AVT

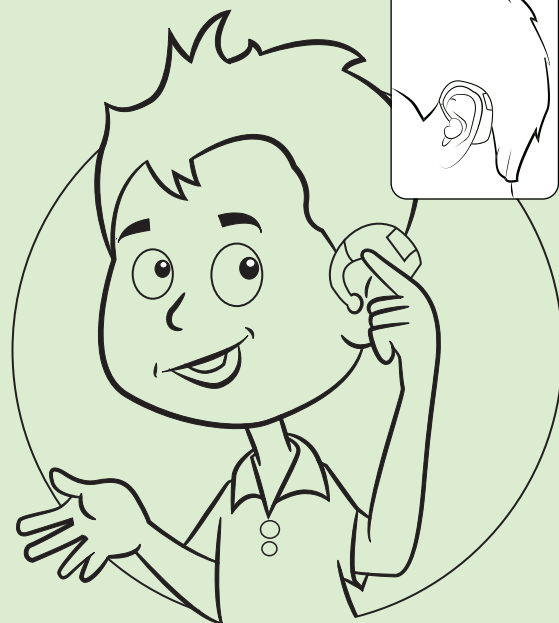
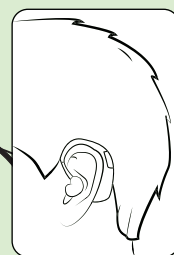
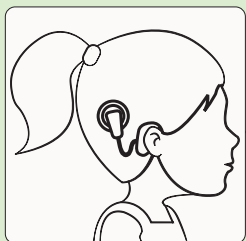
Ritu Nakra, B.Sc(Hons) Physics; P.G (N.I.F.T.); B.Ed Special Education (H.I); LSLS Cert. AVT



कोक्लीयर इम्प्लांट और हियरिंग ऐड



बच्चा अपने श्रवण यंत्र , जैसे हियरिंग ऐड या कोक्लीयर इम्प्लांट का नाम बता सकता है।

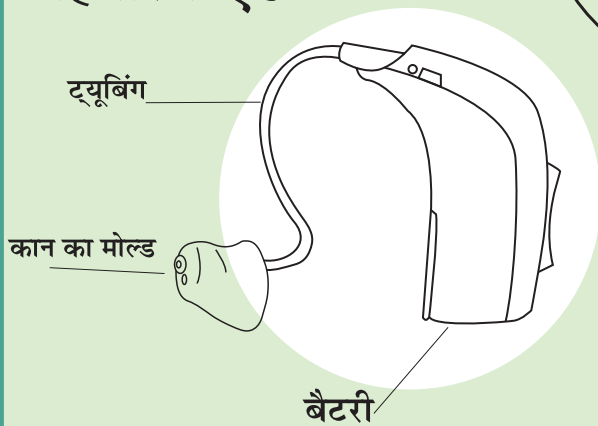


बच्चा अपने हियरिंग ऐड या कोक्लीयर इम्प्लांट को अपने आप पहन सकता है।

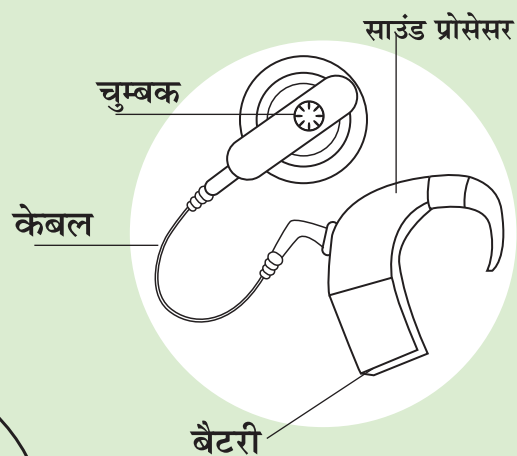


बच्चा अपने हियरिंग ऐड या कोक्लीयर इम्प्लांट को अपने आप उतार सकता है।

हियरिंग ऐड



कोक्लीयर इम्प्लांट



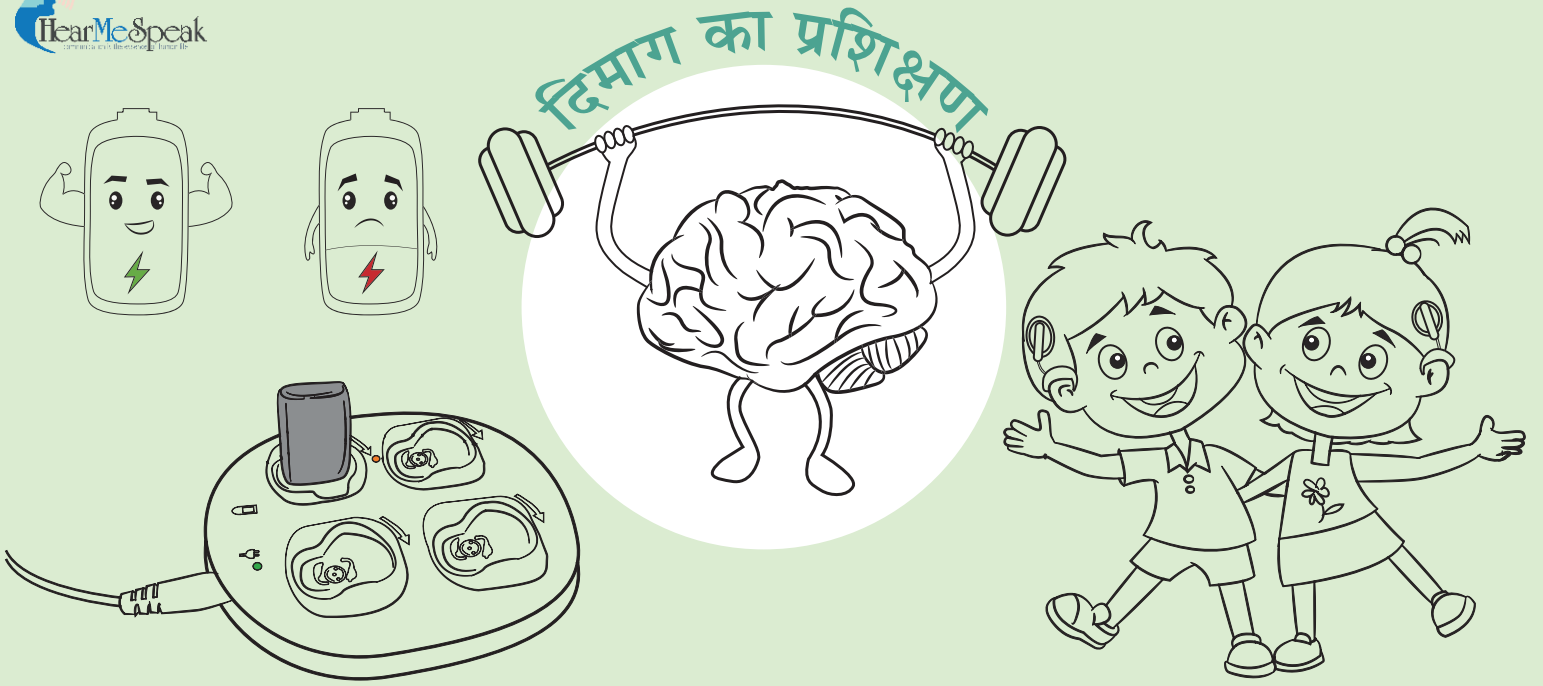
बच्चा अपने श्रवण यंत्र के बाहरी भागों के नामों को पहचानता है जैसे-हियरिंग ऐड में- बैटरी, द्यूबिंग, कान का मोल्ड और कोक्लीयर इम्प्लांट में-बैटरी चुम्बक, केबल और साउंड प्रोसेसर।



कोक्लीयर इम्प्लांट



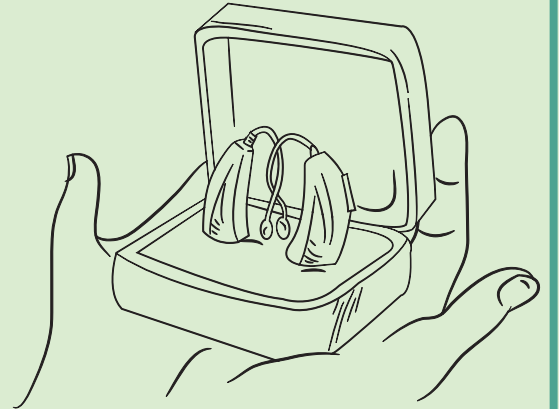
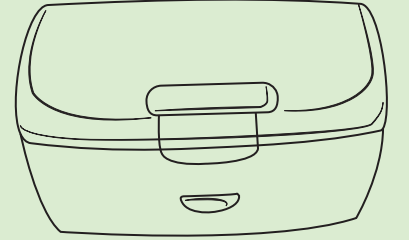
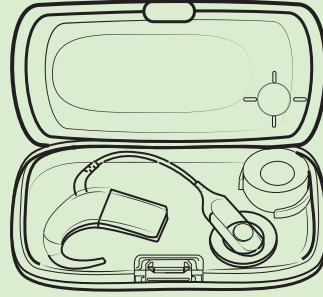
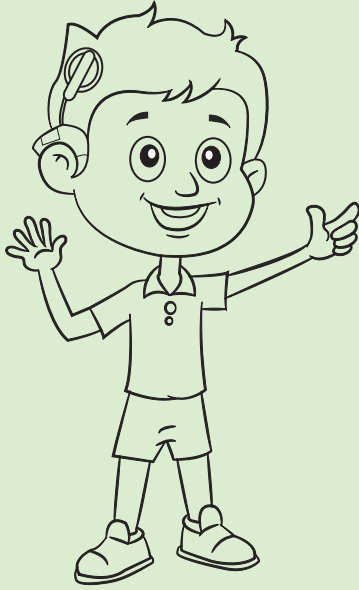
बच्चा अपने श्रवण यंत्र के बाहरी भागों के नामों को बता सकता है जैसे हियरिंग ऐड में - बैटरी, ट्यूबिंग, कान का मोल्ड और कोक्लीयर इम्प्लांट में बैटरी, चुम्बक, केबल और साउंड प्रोसेसर।



बच्चा समझता है और बताता है कि उसके कोक्लीयर इम्प्लांट की बैटरी खत्म हो गई है और उसको चार्ज करने की जरूरत है।



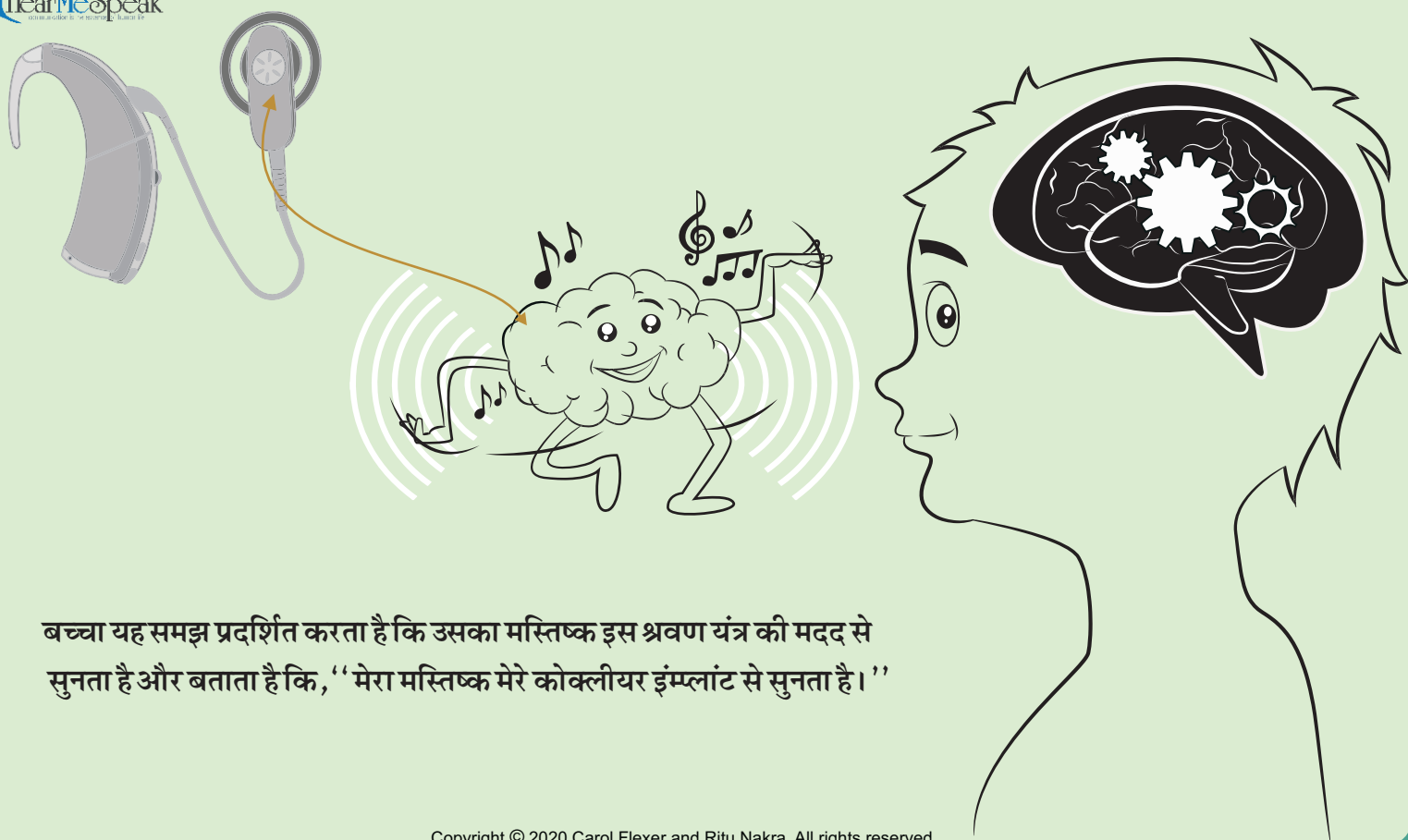
बच्चा अपने माता-पिता / अध्यापक को बैटरी खत्म होने की सूचना देता है।



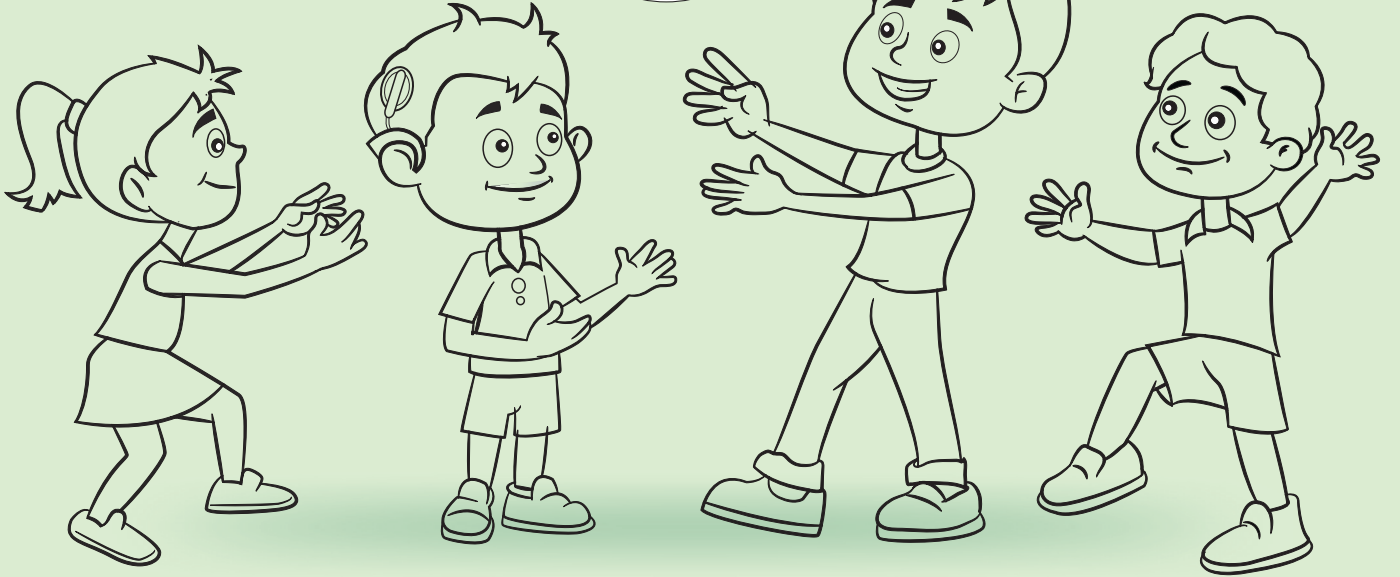
बच्चा समझता है कि श्रवण यंत्र उतारने के बाद उसे एक विशिष्ट सुरक्षित स्थान पर रखा जाता है। यह समझ वह ड्राय-ऐड बॉक्स की तरफ इशारा करके या उसमें अपना श्रवण यंत्र रखकर दर्शाता है।



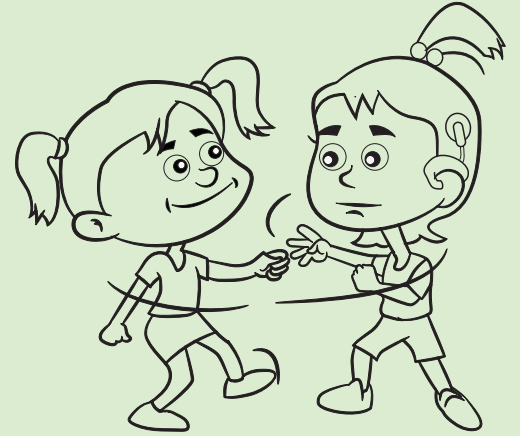
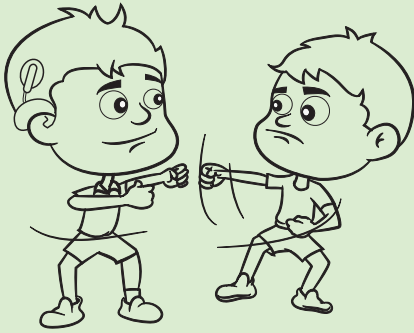
बच्चा समझता है कि वह सुनने के लिए अपना श्रवण यंत्र पहनता है
और बताता है कि 'मैं अपने कोक्लीयर इम्प्लांट से सुनता हूँ'।



बच्चा यह समझ प्रदर्शित करता है कि उसका मस्तिष्क इस श्रवण यंत्र की मदद से सुनता है और बताता है कि, “मेरा मस्तिष्क मेरे कोक्लीयर इम्प्लांट से सुनता है।”

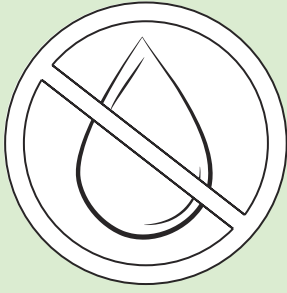


बच्चा अपने माता-पिता या शिक्षक के अतिरिक्त किसी को भी अपना श्रवण यंत्र छूने नहीं देता है।



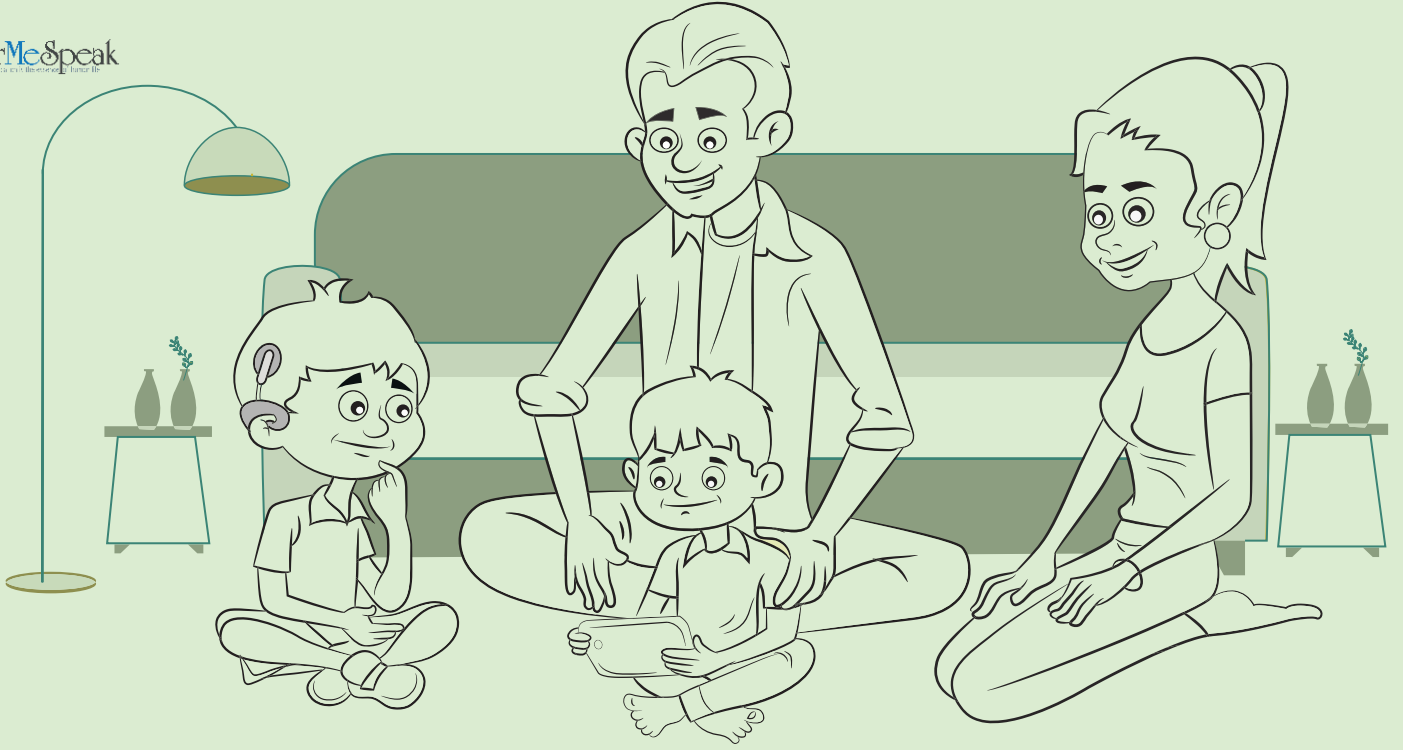
बच्चा यह समझ प्रदर्शित करता है कि खेल के दौरान अपने श्रवण यंत्र का कैसे ध्यान रखना है और किन गतिविधियों को नहीं करना ताकि, उसके श्रवण यंत्र को कोई नुकसान ना पहुँचे।





बच्चा यह समझ प्रदर्शित करता है कि किस प्रकार वह अपने श्रवण यंत्र को गीला होने से बचा सकता है जैसे छतरी का प्रयोग करना, नहाते समय उसे उतारना इत्यादि। (जब तक कि श्रवण यंत्र जलरोधी न हो)।

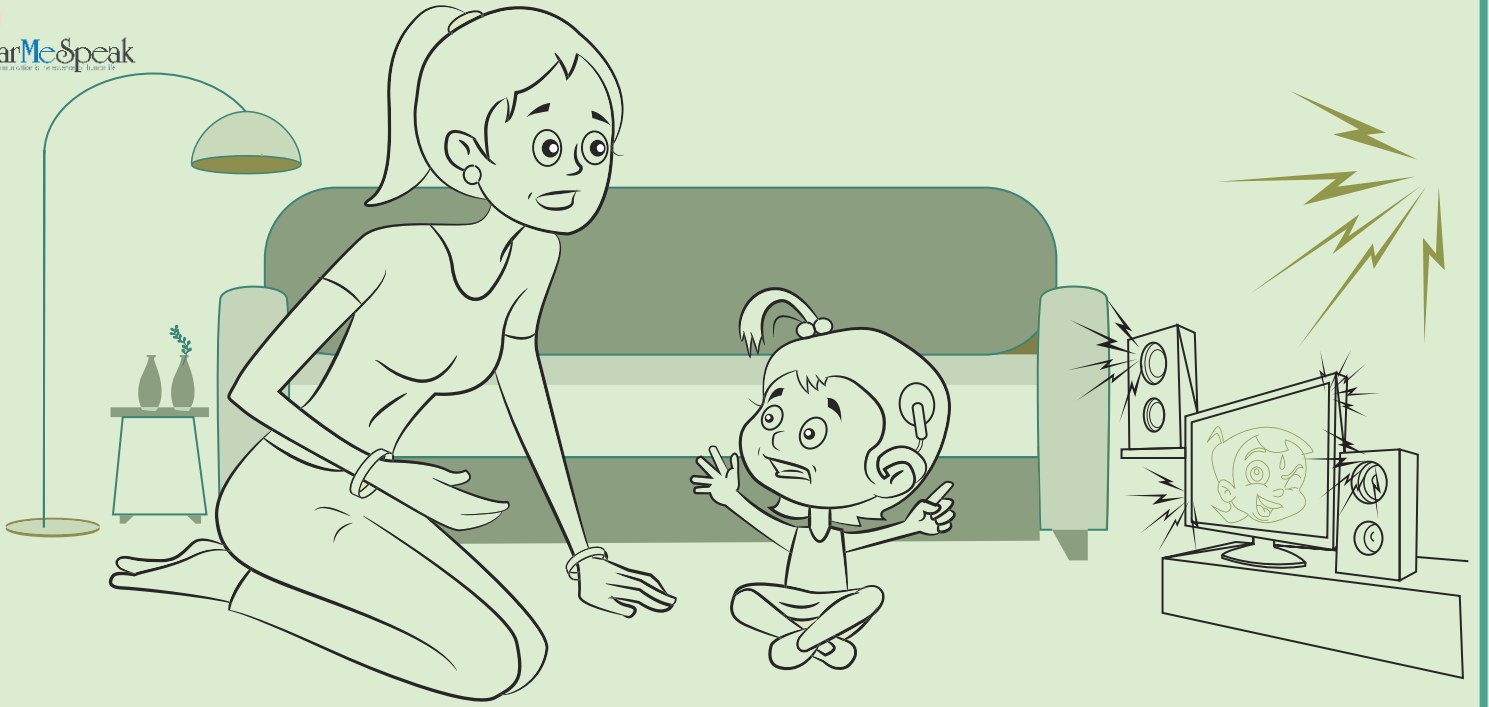




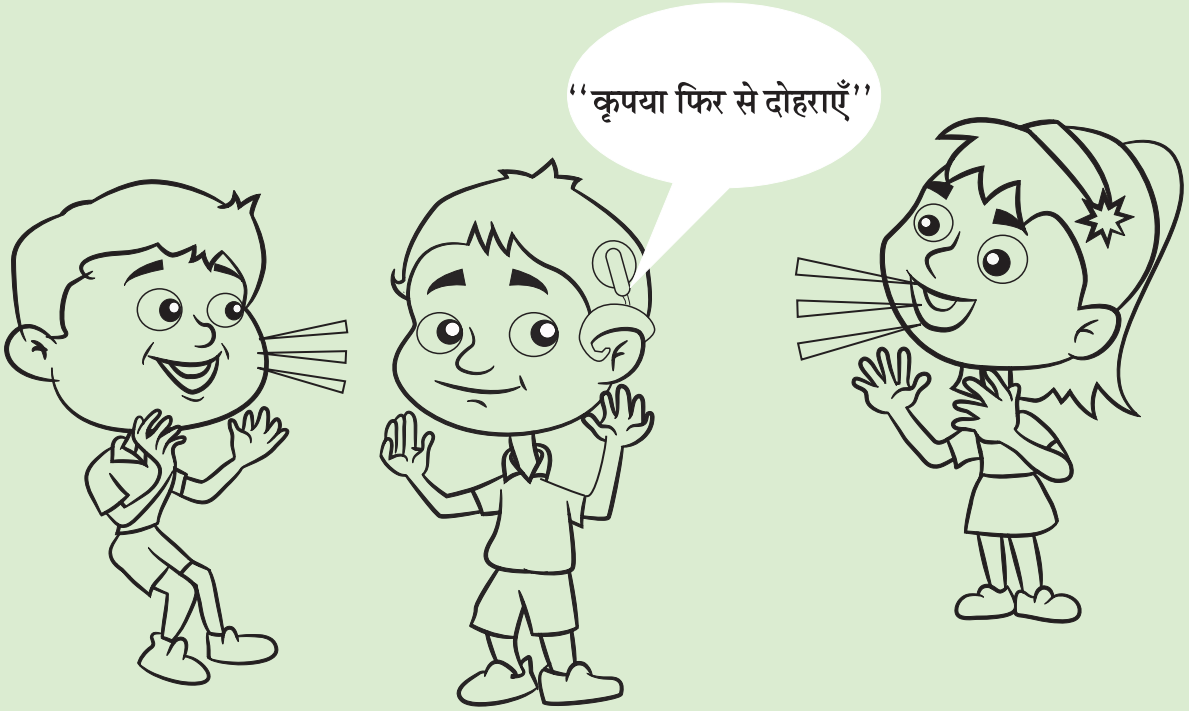
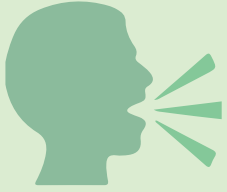
बच्चा यह समझता है कि क्यों उसके भाई या बहन ने श्रवण यंत्र नहीं पहना है, वह बोलता है कि, “आप अपने कानों से सुनते हो, और मैं अपने कोक्लीयर इम्प्लांट से सुनता हूँ।” (हम दोनों हमारे दिमाग से सुनते हैं।)



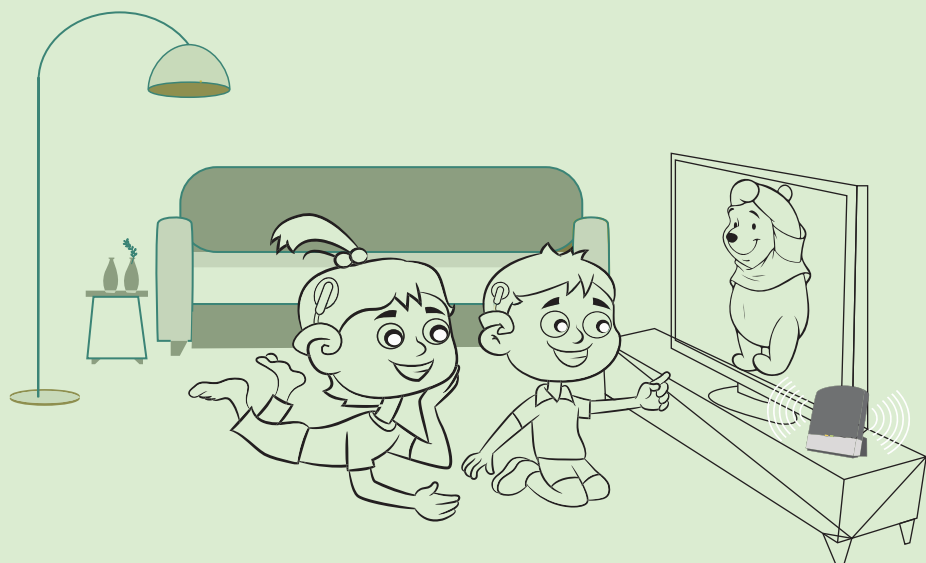
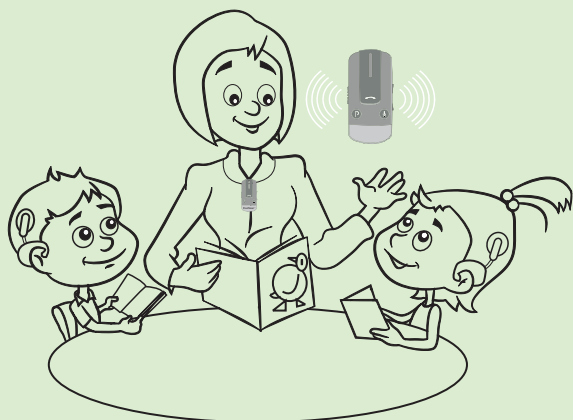
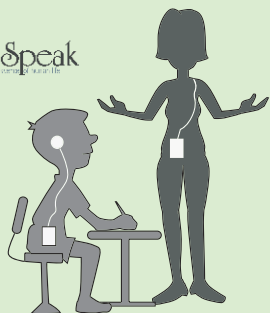
बच्चा यह समझता है कि आस-पास के शोर या ध्वनि स्रोत के दूर होने से उसे ठीक से सुनाई नहीं देगा इसलिए वह बोलने वाले के पास जाकर सुनता है।



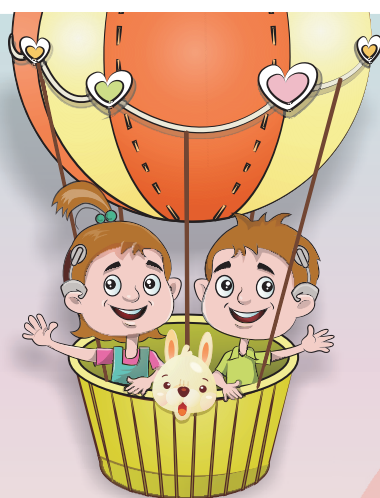
बच्चा यह समझता है कि शोरगुल की स्थिति में उसे ठीक से सुनाई नहीं देगा इसलिए वह शोर को कम करने के लिए दरवाजा बंद करेगा या उस शोर करने वाली आवाज को बंद कर देगा ।



जब बच्चा, वक्ता की बात को समझ न पाये तो स्पष्टीकरण के लिए पूछता है कि “कृपया फिर से बतायें” या “दोहराएँ”।



बच्चा घर पर या स्कूल में सुनने में सहायक उपकरण जैसे कि एफ-एम प्रणाली या
मिनी-माइक्रोफोन का उपयोग करता है।



Designed and Co-Authored by:

Carol Flexer, PhD, CCC-A; LSLS Cert. AVT
and

Ritu Nakra, B.Sc(Hons)Physics; P.G (N.I.F.T); B.Ed Special Education (H.I); LSLS Cert. AVT



Illustrations: Ashok pal